Vol 5 Issue 1 Oct 2015

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra
Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and
Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance
Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College
Commerce and Arts Post Graduate Centre
(BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA
UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate
College , solan

More.........

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

Review Of Research
ISSN 2249-894X

Impact Factor : 3.1402(UIF)
Volume - 5 | Issue - 1 | Oct - 2015

जनपद हरिद्वार में जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का तुलनात्मक अध्ययन (जनगणना रिपोर्ट 2001–2011 के विशेष सन्दर्भ में) : एक भौगोलिक अध्ययन

vfer d';Ik
"kk/kNk=] Hkxky foHkkx] g- u- c- x<oky fo- fo- Jhuxj x<oky] mÙkjk[k.M-

Co - Author Details :

भानू प्रताप नैथानी[2], रामेन्द्र कुमार[3]
[2]एशोशिएट प्रोफेसर , भूगोल विभाग, हे. नं. ब. गढ़वाल वि. वि. श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखण्ड.
[3]शोधछात्र, भूगोल विभाग, हे. नं. ब. गढ़वाल वि. वि. श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखण्ड.

सारांश

भूतल पर जनसंख्या के वितरण में आदिकाल से लेकर वर्तमान काल तक परिवर्तन होता रहा है। भूतल पर मनुष्य कहाँ–कहाँ और कितनी संख्या में पाये जाते है। इसका विवरण जनसंख्या वितरण के विश्लेषण द्वारा प्रकट होता है। पृथ्वी के विभिन्न भागों पर मानव के स्थानिक वितरण प्रतिभा का विश्लेषण करना भौगोलिक अध्ययन का मूल तत्व है। फ्रिंच एवं टिवार्था 1957 के अनुसार जनसंख्या ही वह सन्दर्भ बिन्दु हैं जिसके कारण भूगोलवेत्ता अन्य पर्यावरणी तन्त्रों का अध्ययन करता है। जिसका महत्व तथा अर्थ मानव के सन्दर्भ में ही निहित है। सम्पूर्ण पृथ्वी अथवा उसके किसी भाग के कुल क्षेत्रफल और मनुष्यों की संख्या के आनुपातिक सम्बन्ध को जनसंख्या घनत्व (Density Of Population) द्वारा यह व्यक्त किया जाता है। जनसंख्या घनत्व द्वारा यह प्रकट होता है कि भूतल के किस भाग में जनसंख्या का जमाव अधिक है और कहाँ कम अर्थात् कहाँ पर जनसंख्या सघन रूप में बसी हुई है और कहाँ उसका वास बिखरा हुआ है। यही कारण है कि किसी क्षेत्र में जनसंख्या के वितरण और घनत्व में इतनी अधिक साम्यता और सहगम्यता पायी जाती है कि एक व्याख्या के लिए दूसरे का ज्ञान परमावश्यक है। इसे हम इस प्रकार भी व्यक्त कर सकते है, जहाँ पर जनसंख्या अधिक होती है, वहाँ जनसंख्या घनत्व भी अधिक होता है। और जहाँ पर जनसंख्या कम पायी जाती है वहाँ जनसंख्या घनत्व भी कम पाया जाता है।

प्रस्तावना

भारतीय गणतन्त्र के 27वें तथा हिमालय क्षेत्र के 11 वें राज्य के रूप में उत्तराखण्ड की सम्पूर्ण जनसंख्या वर्ष 2011 की जणगणना के अनुसार 10086292 है। उत्तराखण्ड का जनसंख्या घनत्व 189 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है। उत्तराखण्ड राज्य में सर्वाधिक जनसंख्या वाला जनपद हरिद्वार है। इसलिए अध्ययन के लिये जनपद हरिद्वार को चुना गया है।

अध्ययन क्षेत्र–

उत्तराखण्ड में हरिद्वार की भौगोलिक स्थिति 29.7 डिग्री उत्तरी अक्षांश से 30.1 डिग्री उत्तरी अक्षांश तथा 77.9 डिग्री पूर्वी देशान्तर से 78.2 डिग्री पूर्वी देशान्तर के बीच है। हरिद्वार जनपद का कुल क्षेत्रफल 2269.03 वर्ग किमी॰ है। उत्तराखण्ड में क्षेत्रफल की दृष्टि से हरिद्वार जनपद का 10वां स्थान है और प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 4.4 प्रतिशत है। हरिद्वार के कुल क्षेत्रफल के लगभग 724 वर्ग किमी॰ भाग पर वन क्षेत्र है।

हरिद्वार की समुद्र तल से ऊँचाई 249.7 मीटर है। हरिद्वार उत्तराखण्ड का जिला बनने से पहले सहारनपुर विभागीय कमीश्नरी का भाग था। हरिद्वार जनपद पश्चिम में सहारनपुर,उत्तर एवं पूर्व में देहरादून, पूर्व में पौड़ी गढ़वाल तथा दक्षिण में मुजफ्फरनगर एवं बिजनौर जनपदों की सीमाओं को स्पर्श करता है। हरिद्वार का जनपद मुख्यालय रोशनाबाद में है। हरिद्वार जिले को प्राथमिक रूप से तीन तहसीलों में बांटा गया है।

1. हरिद्वार 2. रूड़की 3. लक्सर

इसके बाद द्वितीय श्रेणी में हरिद्वार जनपद को छह विकासखण्डों में बांटा गया है। ये है–

1.रूड़की 2. भगवानपुर 3. नारसन 4. बहादराबाद 5. लक्सर 6. खानपुर

2.रूड़की तहसील के अन्तर्गत विकासखण्ड भगवानपुर, रूड़की तथा नारसन है। तहसील लक्सर में लक्सर तथा खानपुर विकासखण्ड है। तहसील हरिद्वार में मात्र एक विकासखण्ड बहादराबाद है। इनके अतिरिक्त जनपद के आबाद, गैरआबाद ग्रामों को विकासखण्डवार तालिका में दिखाया गया है जिससे ज्ञात होता है कि सम्पूर्ण जनपद में 510 आबाद तथा 117 गैर–आबाद ग्राम है।

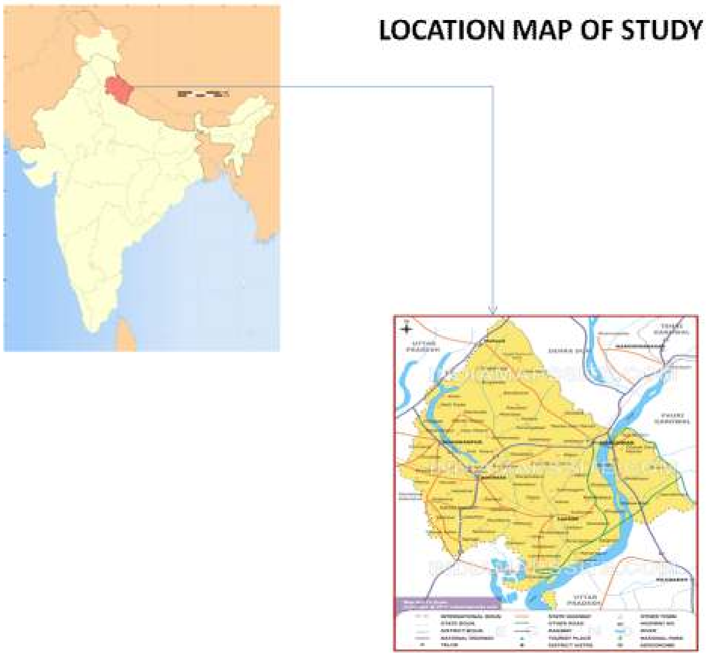

अध्ययन के उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य हैं।
1–अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक वर्णन करना
2–जनसंख्या के वितरण प्रतिरूप का विकास खण्ड स्तर पर तुलनात्मक अध्ययन
3–जनसंख्या के घनत्व के प्रतिरूप का अध्ययन
4–अधिकतम जनसंख्या वाले क्षेत्रों को मुख्य रूप से प्रदर्शित करना।

शोध परिकल्पना–

1–अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का असमान वितरण
2–जनसंख्या के वितरण एवमं घनत्व में वृद्धि।

आँकड़ों का स्रोत एवं विधि तन्त्र–

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। जो सेन्सस ऑफ इन्डिया 2001 एवं 2011 से प्राप्त किये गये है। अध्ययन क्षेत्र के वितरण एवं घनत्व को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न आधारभूत सूचनाओं एवमं आँकड़ों का परिकलन, सारणीयन तथा मानचित्रण विधियों का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या का वितरण–

जनसंख्या की दृष्टि से उत्तराखण्ड का भारत में 20 वां स्थान है। यहाँ देश की 0.8 प्रतिशत आबादी निवास करती है। 2011 की जणगणना के अनसुार उत्तराखण्ड की जनसंख्या 10086292 है। जबकि जनपद हरिद्वार में सन् 2001 के आँकड़ों के अनुसार उत्तराखण्ड की जनसंख्या का (17.05)प्रतिशत जनसंख्या निवास करती थी। जिसमें विकासखण्ड स्तर पर दृष्टि डाली जाये तो बहादराबाद में सबसे अधिक जनसंख्या 462058 थी जो हरिद्वार की कुल जनसंख्या का (31.93) प्रतिशत थी जिसमें 24862 पुरूष तथा 21396 स्त्रियाँ है। विकासखण्ड रूड़की (24.17) प्रतिशत जनसंख्या, विकासखण्ड नारसन (16.98) प्रतिशत जनसंख्या, भगवानपुर (12.63) प्रतिशत, लक्सर (11.43) प्रतिशत

जनसंख्या तथा खानपुर में (2.86) प्रतिशत जनसंख्या निवास करती थी। खानपुर विकासखण्ड में मात्र 41446 व्यक्ति निवास करते थे जिसमें पुरूषों की संख्या 22316 तथा स्त्रियों की संख्या 19130 हैं।

सन् 2011 के आँकड़ों के अनुसार जनपद हरिद्वार में उत्तराखण्ड की कुल जनसंख्या का (18.74) प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। बहादराबाद में सबसे अधिक जनसंख्या 628430 है जो हरिद्वार की कुल जनसंख्या का (33.24) प्रतिशत है। जिसमें 333493 पुरूष 293931 स्त्रियाँ है। विकासखण्ड रूड़की में (24.28) प्रतिशत जनसंख्या, विकासखण्ड नारसन में 16.34 प्रतिशत जनसंख्या, विकासखण्ड भगवानपुर में (12.9)प्रतिशत जनसंख्या, विकासखण्ड लक्सर में (11.34) प्रतिशत जनसंख्या तथा विकासखण्ड खानपुर में 2.81 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। खानपुर विकासखण्ड में मात्र 53194 जनसंख्या निवास करती है जो कि गाँव में निवास करती है।

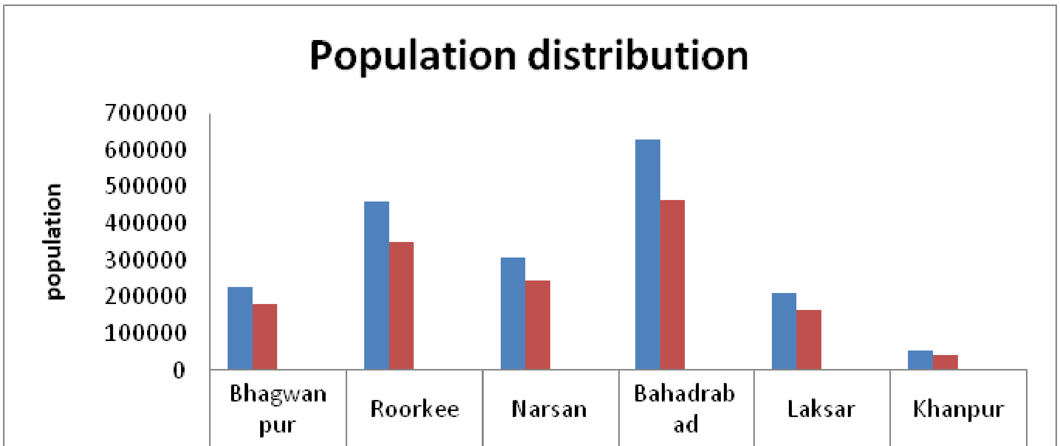

	Bhagwanpur	Roorkee	Narsan	Bahadrabad	Laksar	Khanpur
TOT_P 2011	228583	458926	308835	628430	212454	53194
TOT_P 2001	182771	349714	245756	462058	165442	41446
% 2011	12.09	24.28	16.34	33.24	11.24	2.81
% 2001	12.63	24.17	16.98	31.93	11.43	2.86

जनसंख्या घनत्वः—

जनसंख्या घनत्व की बात कही जाये तो उत्तराखण्ड में सन् 2001 के आंकड़ो के अनुसार 159 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर में निवास करते थे। वही हरिद्वार में 638 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर में निवास करते थे जो उत्तरांखण्ड के जनपदों में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व को स्पष्ट करता है।

विकासखण्ड स्तर पर देखा जाए तो सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व विकासखण्ड बहादराबाद 1751 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर में निवास करती थी, विकासखण्ड लक्सर 1299 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर, विकासखण्ड नारसन 1275 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर, विकासखण्ड रूड़की 639 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर, विकासखण्ड भगवानपुर 209 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर तथा विकासखण्ड खानपुर में 157 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में निवास करती थी।

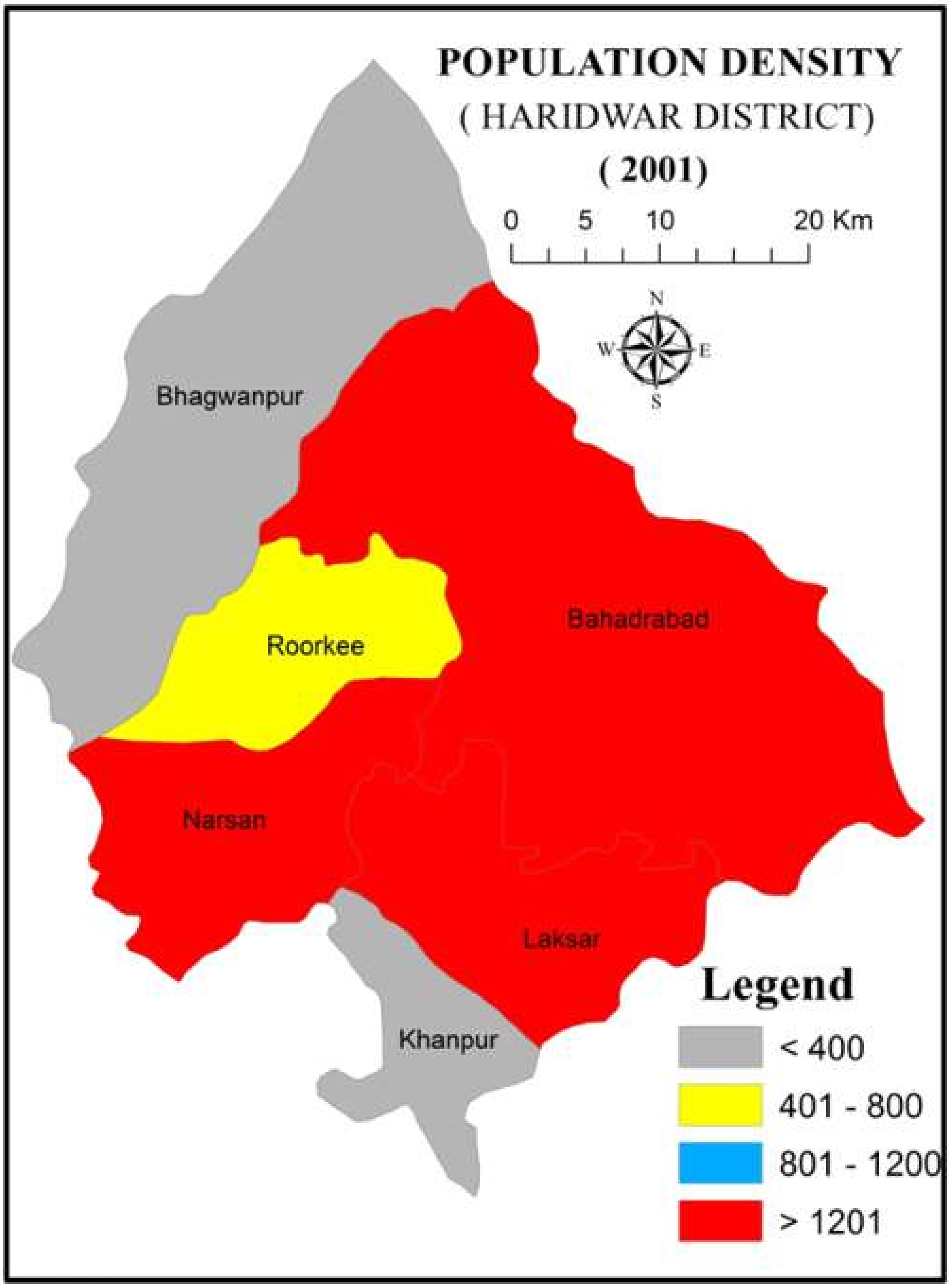
POPULATION DENSITY
(HARIDWAR DISTRICT)
(2001)
0 5 10 20 Km
N
W
E
S
Bhagwanpur
Roorkee
Bahadrabad
Narsan
Laksar
Khanpur
Legend
< 400
401 - 800
801 - 1200
> 1201

सन् 2011 के आकड़ों के अनुसार उत्तराखण्ड में 189 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर में निवास करते है। वही जनपद हरिद्वार में 833 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। जो उत्तराखण्ड के जनपदों में सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व को प्रदर्शित करता है।

विकासखण्ड स्तर पर देखा जाये तो सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व विकासखण्ड बहादराबाद 2381 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर निवास करती है, विकासखण्ड लक्सर 1668 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर, विकासखण्ड नारसन 1602 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर, विकासखण्ड रूड़की 838 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर तथा विकासखण्ड खानपुर में 201 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर में निवास करती है जो कि सबसे कम जनसंख्या घनत्व को प्रदर्शित करता है।

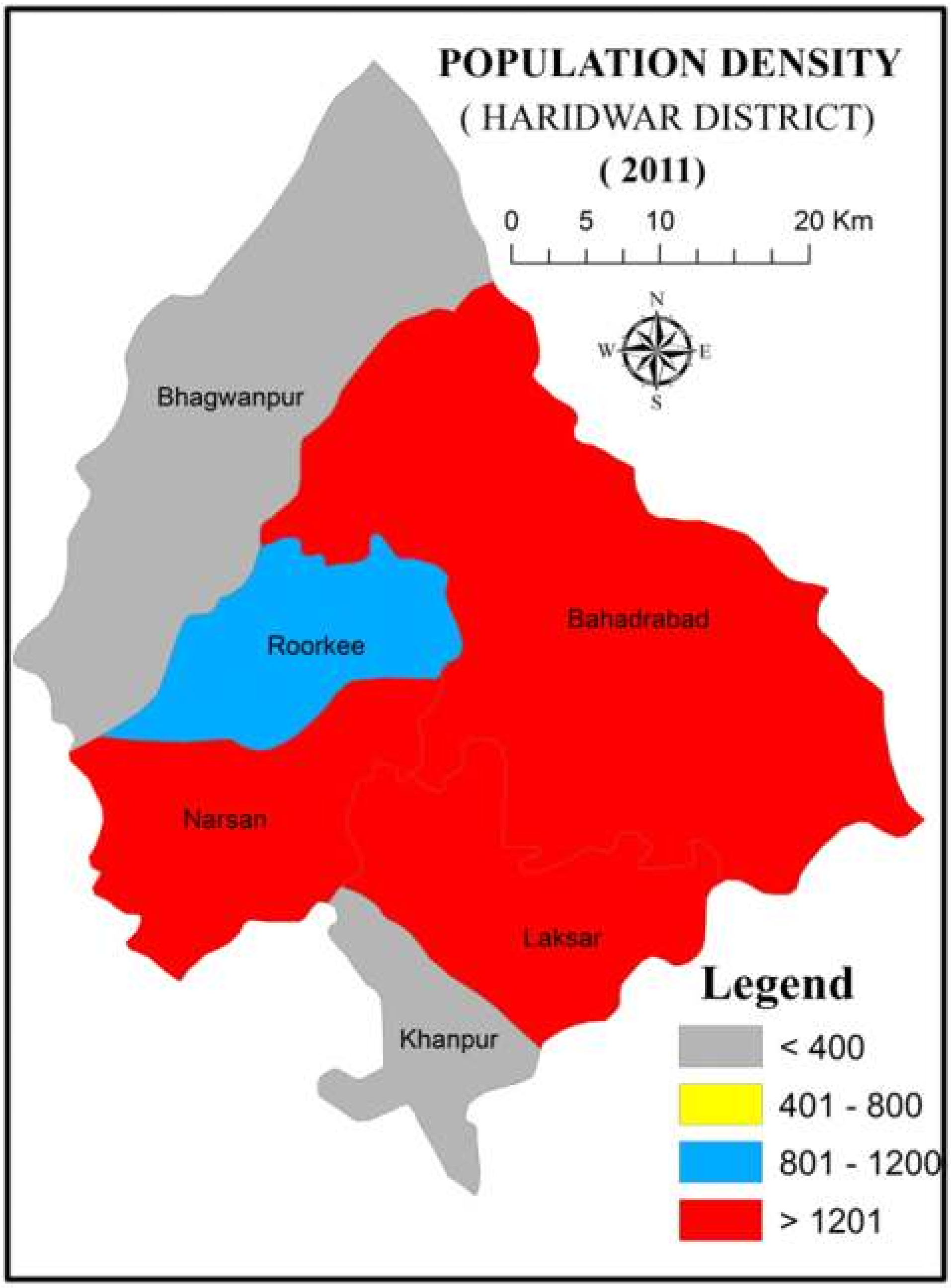

निष्कर्ष:—

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद हरिद्वार के छः विकासखण्डों में सबसे अधिक जनसंख्या का वितरण बहादराबाद विकासखण्ड में है तथा सबसे कम जनसंख्या वितरण खानपुर विकासखण्ड में है। खानपुर की समस्त जनसंख्या ग्रामीण है। सारणी तथा रेखा चित्र से स्पष्ट होता है कि बहादराबाद विकासखण्ड में जनसंख्या के वितरण में वृद्धि हुई है। तथा अन्य पाँच विकासखण्डों में जनसंख्या के वितरण में कमी आयी है।

जनसंख्या घनत्व के आकड़ों से स्पष्ट होता है कि बहादराबाद में सबसे अधिक जनसंख्या का घनत्व हैं। दूसरे स्थान पर लक्सर में जनसंख्या घनत्व हैं। वही लक्सर में जनसंख्या का वितरण पाँच वे स्थान पर हैं। तथा सबसे कम जनसंख्या का घनत्व खानपुर में है

अतः यह स्पष्ट होता है कि बहादराबाद विकासखण्ड मे जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व दोनों अधिक है। तथा लक्सर में जनसंख्या का वितरण कम और जनंसख्या का घनत्व अधिक है। अगर बहादराबाद और लक्सर विकासखण्डों में इसी गति से जनसंख्या घनत्व में वृद्धि होती रही तो इसका बुरा प्रभाव यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों पर अवश्य पड़ेगा। अतः जिस पर विचार करने की आवश्यकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.एस.डी. मौर्य : 2007: ''जनसंख्या भूगोल'', शारदा पुस्तक भवन पब्लिर्श एण्ड डिस्टीन्यूटर्स यूनिवसिटी रोड़, इलाहाबाद।
2.हीरा लालः 1989, ''जनसंख्या भूगोल'', वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर इलाहाबाद।
3.एस.डी. मौर्यः 2007: भौगोलिक पारिभाषिक शब्दकोश शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद।
4.भारतीय जनगणना 2001, 2011.
5.Sati Vishwambhar Prasad: Population and Sustainability issues in mountains: A Case for the Uttaranchal Himalaya, Envies Bulletin VO 14 (2): Himalayan Ecology.
6.रामेन्द्र कुमारः दिसम्बर 2013 : ''भारतीय जनजातीय जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व मध्य प्रदेश के विशेष सन्दर्भ में एक प्रतीक अध्ययन Research Strategy Vo 4 (P.17-18) ISSN: 2250-3927
7.Kumar Sandeep, Singh Sujan: 29 August 2013: District wise Growth of Population in Western Himalayan States of India. 1981-2011 Vo 1 Issue-6 ISSN: 2321-8045
8.Prakash C.Tiwari and Bhagwati Joshi: 2012: Urban Growth in Himalaya Environmental Impacts and Developmental opportunities' Science Peaks.

Hkkuq izrki uSFkkuh
,”kksf”k,V izksQslj] Hkwxksy foHkkx] g- u- c- x<oky fo- fo- Jhuxj x<oky] mÙkjk[k.M-

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org